

वार्षिक रिपोर्ट

Annual Report 2007 - 2008

Setting New
Goals.
Exploring New
Horizons.



ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स
ORIENTAL BANK OF COMMERCE



विषय सूची

Contents

अध्यक्ष का संदेश	
Chairman's Message	1-4
निदेशक मंडल	
Board of Directors	5
शीर्ष प्रबंध वर्ग	
Top Management Team	6
एक नजर कार्य निष्पादन पर	
Performance at a Glance	7
सूचना	
Notice	8-10
निदेशक की रिपोर्ट	
Directors' Report	11-25
प्रबंध चर्चा एवं विश्लेषण	
Management Discussion and Analysis	26-37
कारपोरेट प्रबंध	
Corporate Governance	39-63
तुलन-पत्र और लाभ-हानि लेखा	
Balance Sheet and Profit & Loss Account	64-65
अनुसूचियां	
Schedules	66-103
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	
Auditors' Report	104-106
नकदी प्रवाह विवरणी	
Cash Flow Statement	107-108
लेखा परीक्षकों का प्रमाण पत्र	
Auditors' Certificate	109
प्रॉक्सी पर्ची/उपस्थिति पर्ची	
Proxy Slip/Attendance Slip	111-112

मै. एन. सरकार एंड कम्पनी
M/s N. Sarkar & Company

मै. हिंगोरानी एम. एण्ड कम्पनी
M/s Hingorani M. & Co.

मै. पी.बी. विजयाराघवन एंड कम्पनी
M/s P.B. Vijayaraghavan & Co.

मै. उमामहेश्वरा राव एण्ड कम्पनी
M/s Umamaheswara Rao & Co.

मै. सुरेश चन्द्र एण्ड एसोसिएट्स
M/s Suresh Chandra & Associates

मै. फारुकी एंड कम्पनी
M/s Faruqui & Company



अध्यक्ष का संदेश / Chairman's Message



प्रिय शेयरधारको,

मैं 31 मार्च, 2008 को समाप्त वर्ष के तुलनपत्र एवं मार्च, 2008 को समाप्त वर्ष के लाभ-हानि लेखा सहित आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

विश्व स्तर पर आर्थिक परिदृश्य

आप जानते ही हैं कि वर्ष 2007-08 राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर एक घटनापूर्ण वर्ष रहा। सब-प्राइम संकट, तेल, स्वर्ण तथा पण्य मूल्य में वृद्धि का प्रभाव शेयर बाजार और विश्व भर के निवेशकों पर पड़ा है। महंगाई पूरे विश्व की सरकारों के लिए चिंता का विषय बनी रही।

वर्ष 2007 के दौरान, विश्व की अर्थव्यवस्था में 4.9% की वृद्धि हुई। अधिकांश उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के विकास में वर्ष 2007 की अंतिम तिमाही में तेजी से गिरावट आई जिसका मुख्य कारण अमेरिका के सब-प्राइम मॉर्टगेज मार्केट के कारण पैदा हुआ वित्तीय संकट था। इसके विपरीत, वर्ष के अंत में निर्यात और औद्योगिक उत्पादन कम होने के बावजूद, उभरती हुई विकासशील अर्थव्यवस्थाएं इस प्रवृत्ति के रहते आगे बढ़ती रहीं। चालू वर्ष में, खाद्यान्नों, तेल, पण्यों और अन्य औद्योगिक निविष्टियों की कीमतों में वृद्धि होने के कारण महंगाई बढ़ने से विश्व-अर्थव्यवस्था में अपेक्षाकृत धीमी विकास दर दर्ज किए जाने की संभावना है।

भारतीय अर्थव्यवस्था परिदृश्य

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (सीएसओ) द्वारा फरवरी, 2008 में जारी पूर्व अनुमानों के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 2006-07 की 9.6% की वृद्धि के मुकाबले 2007-08 में 8.7% की कम वृद्धि हुई। वृद्धि दर में यह कमी सभी तीनों क्षेत्रों अर्थात् कृषि एवं सम्बद्ध क्रियाकलापों, उद्योग तथा सेवा क्षेत्र में हुई।

वर्ष 2007-08 के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में हुई धीमी विकास दर के बावजूद, भारत विश्व की तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा।

वर्ष 2008-09 हेतु पूर्वानुमान है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद में 8.0-8.5% वृद्धि होगी।

जैसाकि मैंने पहले भी उल्लेख किया है कि बढ़ती हुई महंगाई विश्व के नीति निर्माताओं के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। इस महंगाई का एक प्रमुख कारण विश्व में खाद्यान्न मूल्यों में वृद्धि तथा एक वर्ष में प्रमुख फसलों जैसे: मक्का, सोयाबीन और गेहूँ के मूल्यों में वृद्धि है जिनमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण कच्चे तेल में हुई उच्चतम वृद्धि है।

आपके बैंक का विश्वास है कि इससे भारत में आपूर्ति और मांग के अंतर को कम करने के लिए कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश होगा। ऐसे निवेशों से कृषि क्षेत्र में किए गए प्रभावी राजकोषीय नीतिगत उपायों से भी सहयोग मिलेगा। इन निवेशों से संपूर्ण बैंकिंग उत्पादों व सेवाओं के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग मध्यावधि ऋणों की मांग बढ़ेगी। आपके बैंक ने ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में विकास संबंधी आवश्यकताओं को दूर करने के लिए योजनाएं तैयार की हैं।

भारतीय बैंकिंग परिदृश्य

वर्ष 2007-08 के दौरान भारतीय बैंकिंग परिदृश्य में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमा राशियों में 22.2% और गैर-खाद्यान्न ऋणों में 22.3% की वृद्धि हुई।

मार्च, 2008 के अंत में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मुद्रा आपूर्ति (एम 3) वृद्धि, 20.7% रही जो मार्च, 2007 के अंत के 21.5% से कम है। मौद्रिक विस्तार का प्रमुख कारण निवल विदेशी मुद्रा विनिमय आस्तियों में हुई वृद्धि रहा। भारतीय रिजर्व बैंक अपने स्तर पर

Dear Shareholders,

I have great pleasure in presenting to you the Annual Report of your Bank along with the Balance Sheet as of 31st March, 2008 and Profit & Loss Accounts for the year ended 31st March, 2008.

ECONOMIC SCENARIO AT GLOBAL LEVEL

It may be recalled that the year 2007-2008 was an eventful year both nationally and internationally. The sub-prime crisis, rise in prices of oil, gold and commodities impacted the share market and the investors globally. Inflation continues to be a source of worry for Governments all over the world. During 2007 the Global economy expanded by 4.9%. The growth in most of the advanced economies decelerated sharply in the last quarter of 2007, mainly on account of the financial crisis that spread beyond the US Sub-prime mortgage market. In contrast, emerging and developing economies continued to grow against this trend, despite some slackening of exports and industrial production towards the end of the year. In the current year, the global economy is likely to register a relatively lower growth in the wake of inflation accentuated by rise in prices of food grains, oil, commodities and other industrial inputs.

INDIAN ECONOMIC SCENARIO

As per advance estimates released by the Central Statistical organization (CSO), in February, 2008 the real (GDP) Gross Domestic Product growth of the Indian Economy has moderated to 8.7% in 2007-08 from 9.6% in 2006-07. The moderation in growth occurred in all the three sectors, viz. agriculture and allied activities, industry and services.

Despite slower growth rate during 2007-08 in comparison to year before, India continued to be one of the fastest growing economies of the world.

The forecast for the year 2008-09 is that the country's GDP growth will be in the range of 8.0-8.5%.

As I mentioned earlier, the rise in inflation is a matter of concern for policy makers globally. One of the key drivers of this inflation is the increase in food prices globally with prices of major crops such as corn, soya beans and wheat having increased substantially coupled with an all time high crude prices.

Your Bank believes that there will be significant investments in the agricultural sector in India to ease the supply demand gap. These investments would generate demand for the entire spectrum of Banking products and services to the Rural sector in the near to medium term. Your Bank has drawn strategies for meeting the growth requirements emanating at the Rural and Semi-Urban areas.

INDIAN BANKING SCENARIO

Coming to the Indian Banking scene, during the year 2007-08, the Aggregate Deposits of the Scheduled Commercial Banks increased by 22.2% and non-food credit by 22.3%.

The Money Supply (M3) growth, on year on year basis was 20.7% as at end March, 2008 lower than 21.5% as at end of March 2007. The primary source of monetary expansion continued to be the accretion to the net foreign



विभिन्न प्रपत्रों के माध्यम से अतिरिक्त पूंजीगत प्रवाह को व्यवस्थित करता रहा और पिछले राजकोषीय वर्ष के दौरान तरलता प्रबंधन हेतु नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में तीन चरणों में 150 आधार सूचकांक की वृद्धि हुई।

इस वर्ष भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने तेजी से बढ़ते हुए कोर बैंकिंग सॉल्यूशन को लागू किया और चार बैंकों ने अपना संपूर्ण शाखा नेटवर्क सीबीएस कर दिया तथा आपका बैंक इन चार प्रमुख बैंकों में से एक रहा।

वर्ष 2007-08 के दौरान बैंक का परिचालनपरक कार्यनिष्पादन तथा प्रमुख वित्तीय उपलब्धियां

उपरोक्त पृष्ठभूमि में वर्ष 2007-08 को समाप्त हुए वर्ष के आपके बैंक के विस्तृत कार्यपरिणाम आपके समक्ष रखते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

आप जानते हैं कि भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुक्रम में, 14.08.04 को पूर्ववर्ती ग्लोबल ट्रस्ट बैंक का आपके बैंक में विलय हो गया था। आपके बैंक द्वारा लिए गए पूर्ववर्ती ग्लोबल ट्रस्ट बैंक के 1225.72 करोड़ रुपए के संचित घाटों को मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष से 5 वर्ष की अवधि में बट्टे खाते डाला जाना था। परन्तु इस संबंध में विवेकपूर्ण निर्णय लेते हुए उक्त घाटों को मार्च, 2009 के बजाय एक वर्ष पहले ही मार्च, 2008 में बट्टे खाते डाल दिया गया। ऐसा करने से पूर्ववर्ती ग्लोबल ट्रस्ट बैंक के घाटे अब अतीत बनकर रह गए हैं और बैंक के तुलनपत्र में कोई भी पिछले घाटे नहीं हैं तथा यह बैंक के कार्यों का सही चित्र दर्शाता है।

वर्ष 2007-08 के दौरान बैंक के कार्य-निष्पादन की प्रमुख उपलब्धियां निम्नानुसार हैं:

- (क) आपके बैंक का कुल कारोबार, 31 मार्च, 2007 के 1,09,391 करोड़ रुपए से बढ़कर 31 मार्च, 2008 को 22% की वृद्धि दर्ज करते हुए 1,33,184 करोड़ रुपए हो गया। बैंक की जमा राशियां 21.66% की वृद्धि दर्ज करते हुए 77857 करोड़ रुपए और अग्रिम 21.88% की वृद्धि दर्ज करते हुए 55327 करोड़ रुपए हो गए।
- (ख) बैंक के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत दिए गए अग्रिमों में 17.58% की वृद्धि दर्ज करते हुए 2804.63 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई जो मार्च, 2007 के 15955.20 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च, 2008 में 18759.83 करोड़ रुपए हो गई। बैंक के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत दिए गए ऋण, समायोजित निवल बैंक ऋण (एनबीसी) के 42.50% हैं जबकि निर्धारित लक्ष्य 40% है।
- (ग) कृषि क्षेत्र को दिए गए बैंक के ऋण 20.90% की वृद्धि दर्ज करते हुए 1197.77 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ मार्च, 2007 में 5732.28 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च, 2008 में 6930.05 करोड़ रुपए हो गए।
- (घ) मार्च, 2008 के अंत में बैंक द्वारा लघु उद्यम क्षेत्र को दिए गए अग्रिम 49% की आकर्षक वृद्धि दर दर्ज करते हुए 1650.96 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ मार्च, 2008 के अंत में 5015.05 करोड़ रुपए हो गए। इसके अतिरिक्त, एसएमई अग्रिमों में 20% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि की अपेक्षा के प्रति 23.40% की वृद्धि दर्ज करते हुए 1181.08 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई जो बढ़कर मार्च में 6228.17 करोड़ रुपए हो गए। अति लघु/माइक्रो क्षेत्र के अग्रिमों में 31.88% की वृद्धि दर्ज करते हुए 321.07 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई जो बढ़कर 1328.30 करोड़ रुपए हो गए।
- (ङ) मार्च, 2008 के अंत में बैंक का ऋण जमा अनुपात पिछले वर्ष की भांति 71.43% रहा। बैंक विवेकपूर्ण ढंग से ऋण प्रदान करता रहा। बैंक के ऋण एवं अग्रिम वैविध्यपूर्ण एवं संतुलित हैं। बैंक अर्थव्यवस्था के उत्पादनपरक क्षेत्रों को उनकी विकासपरक आवश्यकताएं पूरी करने हेतु उपयुक्त ऋण प्रदान करता रहा।
- (च) बैंक का निवल लाभ (सभी अपेक्षित प्रावधान करने के बाद) 2006-07 के 826 करोड़ रुपए से बढ़कर 2007-08 के दौरान 840 करोड़ रुपए हो गया।
- (छ) मुझे बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपके बैंक ने एनपीए खातों में 884 करोड़ रुपए की वसूली की जिसमें 513 करोड़ रुपए की नकद वसूली भी शामिल है। सकल अग्रिमों में सकल गैर-निष्पादनकारी अग्रिमों का अनुपात 2006-07 के 3.2% से कम होकर 2007-08 में 2.31% रह गया।

exchange assets. The RBI continued to manage excess capital flows through various instruments at its disposal and the CRR was raised by 150 basis points in three phases during the last fiscal year in order to manage liquidity.

The Public Sector Banks in India geared themselves during the year to introduce Core Banking Solutions at increasing pace and four banks covered their entire branch network by CBS. Your Bank was one among these four front runners.

OPERATING PERFORMANCE OF THE BANK DURING 2007-08 & FINANCIAL HIGHLIGHTS

In the above background, I have great pleasure in sharing with you the detailed working results of your Bank for the year ended 2007-2008.

As you are aware, the erstwhile Global Trust Bank was amalgamated with your Bank w.e.f. 14.08.04 pursuant to the notification issued by Govt. of India. The accumulated losses of Rs. 1225.72 Crores of erstwhile GTB taken over by your bank was to be written off over a period of five years commencing from the year ending March 2005. During the year under review, your Bank decided to advance this write off by one year in March, 2008 instead of March, 2009. This measure has ensured that the legacy of GTB losses is now history and the Bank's Balance-sheet henceforth would no longer carry forward any past losses and would be a true reflection of the Bank's working.

The highlights of the Bank's performance during 2007-08 are:-

- (a) The total business of your Bank increased by Rs.23793 Crore to reach Rs.1,33,184 Crore as at 31 March, 2008 from a level of Rs.1,09,391 Crore as at 31 March, 2007 achieving a growth of 22%. The Deposits of the Bank grew by 21.66% to reach Rs. 77857 Crore and advances grew to Rs.55327 Crore registering a growth of 21.88%.
- (b) Bank's advances to Priority Sector increased by Rs. 2804.63 Crore from Rs.15955.20 Crore in March 2007 to reach Rs. 18759.83 Crore as at March 2008 registering a growth of 17.58%. The Priority Sector Advances constituted 42.50% of bank's Adjusted Net Bank Credit (ANBC) against the stipulation of 40%.
- (c) Bank's advances to agriculture increased by Rs.1197.77 crore from Rs.5732.28 crore in March 2007 to Rs.6930.05 crore in March 2008, registering a growth of 20.90%.
- (d) Bank's exposure to Small Enterprises sector stood at Rs. 5015.05 crore at the end of March 2008 and has shown an increase of Rs. 1650.96 Crore, recording an impressive growth rate of 49%. Further, SME advances increased by Rs.1181.08 crore to reach Rs. 6228.17 crore as at March, 2008 registering a growth of 23.40% against the year-on-year growth stipulation of 20%. The Tiny / Micro sector advances increased by Rs.321.07 crore to Rs.1328.30 crore posting a growth of 31.88%.
- (e) The credit deposit ratio of the Bank, as at end-March 2008, stood at 71.43%, and was at the same level as in the previous year. The Bank continued to exercise prudence in lending. The Loans & Advances portfolio of the Bank is well diversified and balanced. The Bank has ensured that the productive sectors of the economy continue to get adequate credit to meet their growth requirements.
- (f) The net profit of the Bank increased to Rs.840.94 Crore during 2007-08 (after making all required provisions) from Rs.826 Crore during 2006-07.
- (g) I am pleased to inform that your Bank made a recovery of Rs.884 Crore in NPA accounts including cash recovery of Rs.513 crore. The ratio of the gross Non Performing Advances to Gross Advances decreased from 3.2% in 2006-07 to 2.31% in 2007-08.



(ज) 31 मार्च, 2008 को बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात मार्च, 2007 के 12.51% के स्थान पर 12.12% रहा। यह भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित 9.00% की न्यूनतम अपेक्षा से काफी अधिक है।

नव्य कारोबार

राजस्व में विविधता लाने और गैर-निधि कारोबार को बढ़ाने की दृष्टि से आपके बैंक ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

- बैंक ने जीवन बीमा कारोबार करने हेतु 23% अंशधारिता के साथ एचएसबीसी और केनरा बैंक (केनरा बैंक एचएसबीसी ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स लाइफ इन्श्योरेंस कं. लि.) के साथ संयुक्त उपक्रम स्थापित किया। इस संयुक्त उपक्रम को बीमा नियामक (आईआरडीए) से अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त हो चुके हैं और इस उपक्रम का कारोबार शीघ्र ही आरंभ होने की आशा है।
- बैंक ने देश के 5 प्रमुख म्युचुअल फंडों की म्युचुअल फंड योजनाओं के वितरण हेतु करार किया।
- बैंक ने ग्राहकों को ऑन-लाइन शेयर कारोबार की सुविधा प्रदान करने हेतु 'आईडीबीआई पूंजी बाजार सेवा' के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। बैंक एनएसडीएल और सीडीएसएल में निक्षेपागार प्रतिभागी के रूप में पंजीकृत है और लगभग एक लाख ग्राहक बैंक द्वारा प्रदान की जा रही डी-मैट सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। बैंक की योजना और अधिक शाखाओं के माध्यम से ये सेवाएं प्रदान करके इस दिशा में भौगोलिक क्षेत्र का विस्तार करने की है।
- नव्य कारोबार के साथ-साथ, परिचालनपरक दक्षता बढ़ाने और उपलब्ध संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। ऐसे ही एक उपाय के रूप में 10 या अधिक शाखाओं वाले सभी केंद्रों में समाशोधन कार्यों को केंद्रीकृत किया गया है। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि बैंक देशी और अंतरराष्ट्रीय ट्रेजरी से जुड़े एकीकृत ट्रेजरी सॉल्यूशन तथा काले धन का शोधन निवारण/केवाईसी परियोजना को लागू कर रहा है। साथ ही, जोखिम प्रबन्धन पर हमारा ध्यान केन्द्रित होने से आपका बैंक आस्ति गुणवत्ता देयता ढांचे और वित्तीय समावेशन के बीच सही संतुलन प्राप्त कर सकेगा।

बैंक के बढ़ते राजस्व हेतु प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना

मैं बहुत संतोष के साथ आपको बताना चाहूंगा कि आपके बैंक ने सभी 1323 शाखाओं और 79 विस्तार पटलों को कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) में लाकर समसामयिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है जिससे बैंक का 100% कारोबार सीबीएस परिवेश में किया जा रहा है। भारत के माननीय वित्त मंत्री श्री पी. चिदम्बरम ने 31.3.2008 को दिल्ली में बैंक की सभी शाखाओं एवं विस्तार पटलों को कोर बैंकिंग सॉल्यूशन पर लाए जाने की घोषणा की और 'ओबीसी ईजी-बैंकिंग' के तहत प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों व सेवाओं की श्रृंखला का शुभारंभ किया। अब बैंक के सभी ग्राहक देश भर में बैंक की किसी भी शाखा से अपने खाते का संचालन/कारोबारी लेनदेन कर सकते हैं तथा अपनी बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों व सेवाओं का ऑन-लाइन लाभ उठा सकते हैं जैसे कर भुगतान करना, ईक्विटी ट्रेडिंग करना, उपयोगिता बिलों का भुगतान करना और खरीदारी शिक्षा ऋण प्राप्त करना आदि।

आलोच्य वर्ष के दौरान देश के विभिन्न वर्गों के लोगों तक पहुंचने के लिए निरंतर अभियान चलाकर 955,000 से अधिक नए खाते तथा लगभग 40,000 चालू खाते और जोड़ना बैंक की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। इसके परिणामस्वरूप वर्ष के दौरान आपके बैंक का ग्राहक आधार बढ़कर 10 मिलियन हो गया।

लाभांश

पूर्ववर्ती ग्लोबल ट्रस्ट बैंक के घाटों को एक वर्ष पहले ही बट्टे खाते डाले जाने के बावजूद, आपके बैंक ने अपने शेयरधारकों के हितों का ध्यान रखते हुए 47% लाभांश बनाए रखने का प्रस्ताव किया है जितना पिछले वर्ष प्रदान किया गया था।

कारपोरेट प्रबन्ध

आपका बैंक कारपोरेट प्रबन्ध के सर्वोच्च मानकों को कायम रखे हुए है और बैंकिंग उद्योग में प्रचलित श्रेष्ठ प्रथाओं को उत्तरोत्तर अपना रहा है। बैंक, सभी एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित कारपोरेट प्रबन्ध संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करता रहा है।

(h) As on March 31, 2008 the capital Adequacy Ratio of the Bank stood at 12.12% as against 12.51% as at March, 2007. This is well above the minimum requirement of 9.0% stipulated by RBI.

NEW INITIATIVES

With a view to diversify the revenue stream and augment non fund business, your bank has taken the following steps:

- The Bank has entered into a joint venture with HSBC and Canara Bank (Canara HSBC Oriental Bank of Commerce Life Insurance Company Ltd.) for foray into Life Insurance business with a stake of 23%. The joint venture company has already received the requisite approvals from the Insurance Regulator (IRDA) and the business through this venture is expected to commence shortly.
- The Bank has entered into an agreement for distribution of Mutual Funds schemes of five major Mutual Funds of the country.
- The Bank has entered into an MOU with IDBI Capital Market Services for providing on-line share trading to the customers. Bank is already registered as a Depository participant with both NSDL & CDSL and nearly 1 lac customers are availing of the Demat services provided by the bank. The bank plans to increase the geographical area for the services by adding more branches.
- Besides these new initiatives on the business front, steps have also been taken to improve operational efficiency & optimize available resources. One such step is the centralizing of clearing operations at all centres having 10 or more branches. You will be pleased to know that the Bank is in an advanced stage of implementation of Integrated Treasury Solution linking Domestic and International treasury and also the Anti Money Laundering/KYC project. Simultaneously, our focus on Risk Management will also enable your Bank to achieve the right balance between Asset Quality Liability structure and financial inclusivity.

LEVERAGING TECHNOLOGY FOR GROWING BANK'S REVENUE STREAM

With a feeling of great satisfaction I have to inform you that your Bank has been brought on contemporary technology platform with all its 1323 branches and 79 Extension Counters under Core Banking Solution (CBS) thereby covering 100% of its business. The Hon'ble Finance Minister of India, Shri P. Chidambaram declared all the Bank's branches and Extension Counters on Core Banking Solution on 31.3.2008 at Delhi and launched a series of technology based products and services under the brand "OBC eZ-Banking". All the Bank's customers can now operate their accounts/transact business from any of the Bank's branches across the country and avail of a bouquet of technology-based products and services to meet their banking needs, on line, namely pay taxes, conduct equity trading, make payment for utilities and purchases, avail of education loan etc.

A significant achievement of the Bank during the year was the addition of over 955,000 Saving Accounts and nearly 40,000 Current Accounts through a sustained campaign to reach out to various sections of people in the country. Consequently, the customer base of your Bank has exceeded 10 million during the year.

DIVIDEND

Notwithstanding the writing off losses of erstwhile GTB a year in advance, your Bank, keeping the interest of its' shareholders in view, proposes to maintain the dividend at 47% as was paid during the last year.

CORPORATE GOVERNANCE

Your Bank has been maintaining the highest standards of corporate governance and progressively adopting best industry wide practices. The Bank has been adhering to the corporate governance guidelines laid down by SEBI & RBI.



सभी बैंक बासेल-II लागू करने की तैयारी पर ध्यान देते रहे तथा बैंकों द्वारा प्रबन्ध सूचना पद्धति को सुदृढ़ बनाने और आस्तियों के जोखिम प्रोफाइल में सुधार लाने हेतु अनेक कदम उठाए गए। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपका बैंक बासेल-II के प्रतिमानों को, जो आपके बैंक पर मार्च, 2009 से लागू होंगे, पूरा करने के लिए तैयार है।

बैंक ने, कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआई) के रूप में, विभिन्न स्थलों पर ग्रामीण विकास प्रशिक्षण एवं संसाधन केन्द्र स्थापित करने के उद्देश्य से विशेष प्रयोजन संस्था अर्थात् ओबीसी ग्रामीण विकास ट्रस्ट की स्थापना की। इस ट्रस्ट का प्रमुख उद्देश्य कृषि एवं पशुपालन की नवीनतम तकनीकों, कृषि मशीनरी के रखरखाव, स्व-रोजगार हेतु ग्रामीण युवकों के कौशल का उन्नयन, ग्रामीण निर्धनों, विशेषकर स्वयं सहायता समूहों की क्षमता बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण, शिक्षित बेरोजगार युवकों को प्रशिक्षण तथा सर्वांगीण विकास हेतु ग्राम अंगीकरण आदि पर जानकारी देना है। श्रीगंगानगर एवं जयपुर (राजस्थान), फिरोजपुर (पंजाब) और रुद्रपुर (उत्तराखंड) में 4 ऐसे केन्द्रों ने कार्यारंभ कर दिया है।

कुल मिलाकर 77 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 3598 लोगों को प्रशिक्षित किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में बेरोजगार युवकों को नवीनतम कृषि विज्ञान संबंधी प्रणालियों, पशुपालन, स्थानीय शिल्प जैसे पंजाब में फुलकारी, कपड़ों की सिलाई, कुटीर व कृषि संसाधन व कम्प्यूटर संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति व अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों हेतु अलग से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। आर्थिक क्रियाकलापों को आगे बढ़ाने/स्थापित करने के लिए 2824 प्रशिक्षित व्यक्तियों को ऋण प्रदान किए गए।

भावी योजनाएं

प्रगति की ओर अग्रसर बैंक का लक्ष्य अग्रणी बने रहने का है। हमारा कारपोरेट लक्ष्य, सामाजिक लक्ष्यों को पूरा करने के साथ-साथ विकास और लाभप्रदता प्राप्त करने का है।

विकास और लाभप्रदता इस प्रकार प्राप्त की जाएगी :

- बैंक की योजना चालू वर्ष में 65 नई शाखाएं खोलना (जिनके लिए लाइसेंस प्राप्त हैं) और वर्ष 2010 तक 1500 केन्द्रों तक अपनी पहुंच बनाने तथा कारोबार विकास हेतु प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते रहने की है।
- ग्रामीण और अर्धशहरी केन्द्रों से बैंक का कारोबार उतरोत्तर बढ़ाना।
- निधियों की लागत कम करना और निवल व्याज मार्जिन बढ़ाना।
- गैर-निधि आय बढ़ाने हेतु नए उत्पाद व सेवाएं आरंभ करना।
- अधिकतम ग्राहक संतुष्टि के साथ ग्राहकों की संख्या बढ़ाना।

विश्व के अधिकांश देशों से आगे रहते हुए भारत की विकास गाथा चलती रहेगी और अर्थव्यवस्था में आकर्षक विकास दर प्राप्त होती रहेगी। हमारा बैंक निस्संदेह इस विकास गाथा का हिस्सा है और उन उद्यमियों के साथ सफलतापूर्वक भागीदारी कर रहा है जो इस विकास को आगे बढ़ा रहे हैं।

एक मूलभूत और अटल सिद्धांत यह है कि लोग और संगठन केवल मूल्यों पर टिके रहकर ही सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इसी विश्वास से आपके बैंक की कार्य-संस्कृति बनती है जिसे हम हर कदम पर लागू करते हैं। हमारा लक्ष्य एक सुदृढ़, ग्राहक केन्द्रित, सक्षम रिटेल बैंक बनना है जो कारपोरेट प्रबंध के उच्चतर स्तर की दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ अखिल भारत में अपना स्थान बनाएगा और देश के सार्वजनिक क्षेत्र के सर्वाधिक लाभ अर्जित करने वाले बैंकों में से एक होगा।

निदेशक मंडल की ओर से तथा अपनी ओर से मैं सभी शेयरधारकों, बैंक के प्रत्येक कर्मचारी, सम्मानित ग्राहकों, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक का उनके सतत सहयोग एवं समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

ए.के. मिश्रा

(आलोक मिश्रा)

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

The preparation for implementation of Basel II continued to engage the attention of all the banks and a number of steps have been taken by the banks to strengthen their MIS system and improve the risk profile of their assets. I am happy to inform you that your bank is fully geared to meet the Basel-II norms as applicable to your Bank w.e.f. March, 2009.

As a part of its Corporate Social Responsibility (CSR), the Bank has set up a Special Purpose Vehicle, viz. OBC Rural Development Trust, with a view to institute Rural Development Training & Resource Centres at different locations. The main objective of the Trust is to provide training on latest techniques for agriculture & animal husbandry, maintenance of farm machinery, skill upgradation of rural youth for self employment, capacity building of the rural poor, specially the Self Help Groups, training to educated unemployed youth and village adoption for all round development. Four such centres have become operational at Sriganganagar & Jaipur (Rajasthan), Ferozepur (Punjab) and Rudrapur (Uttarakhand).

In all, 77 training programmes were organized in which 3598 people were imparted training. The training programmes were conducted on latest agronomic practices, rearing of animals, local crafts like Phulkari in Punjab, tailoring, cottage & agro-processing and computer related trainings to the unemployed youth. Special training programmes were organised exclusively for the members of SC/ST and Minority Communities. A total of 2824 trained persons were credit linked for pursuing/setting up of economic activities.

LOOKING FORWARD

Looking forward, the Bank aims to remain a front runner. Our corporate objectives enshrine achieving growth and profitability alongwith meeting the social objectives.

The growth & profitability plan would be achieved by :

- Opening 65 new branches (for which licences are on hand) in the current year with plans to reach over 1500 locations by 2010 and to continue to leverage technology for business growth.
- Progressively increasing the share of Bank's business from Rural and Semi-Urban centres.
- Bringing down the cost of funds and improving the NIM.
- Introducing new products & services and increasing the share of non fund income.
- Reaching out to more number of customers with highest level of customer satisfaction.

India's growth story will continue and the economy shall continue to post impressive growth rates, ahead of majority of the countries of the world. Our Bank is well poised to be a part of this growth story and partner successfully with the entrepreneurs who will take this growth forward.

A deep and abiding principle is that people and organizations can be successful only by sticking to values. It is this faith that forms the working culture of your Bank and which we reinforce at each step. It is our conviction to become a sound, efficient customer centric, good retail commercial Bank having a pan India presence with a firm commitment to highest level of Corporate Governance and become one amongst the most profitable Public Sector Banks in the country.

On behalf of the Board of Directors and my own behalf, I express my sincere thanks to all the shareholders, each and every employee of the bank, our loyal and valued customers, Ministry of Finance, Govt. of India and the Reserve Bank of India for their continued co-operation and support.

Ashu

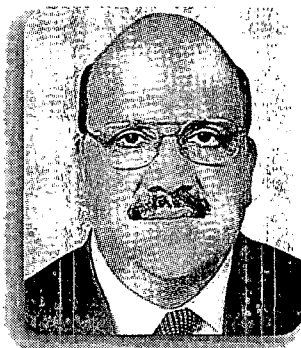
(ALOK K. MISRA)

CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR





निदेशक मंडल Board of Directors



श्री आलोक के. मिश्रा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Sh. Alok K. Misra
Chairman & Managing Director



श्री अलेन सी.ए. पिरैरा
कार्यकारी निदेशक
Sh. Allen C.A. Pereira
Executive Director



श्री एच. रत्नाकर हेगडे
कार्यकारी निदेशक (16.05.2008 से)
Sh. H. Rathnakar Hegde
Executive Director (w.e.f. 16.05.2008)



सुश्री पी. बोलिना
Ms. P. Bolina



श्री एस.के. न्यूले
Sh. S.K. Newlay



श्री यू.के. खैतान
Sh. U.K. Khaitan



श्री सी.के. सभरवाल
Sh. C.K. Sabharwal



डॉ. आभा चतुर्वेदी
Dr. Abha Chaturvedi



श्री वी.के. शर्मा
Sh. V.K. Sharma



श्री कमल भूषण
Sh. Kamal Bhushan



श्री वी. विजय साई रेड्डी
Sh. V. Vijay Sai Reddy



श्री विजय जागीरदार
Sh. Vijay Jagirdar



डॉ. आर.एस. महर्षि
Dr. R.S. Maharshi



शीर्ष प्रबंध वर्ग Top Management Team

महाप्रबंधक General Managers



श्री डी.जी. सक्सेना
Sh. D.G. Saxena



श्री एस.सी. शर्मा
Sh. S.C. Sharma



श्री जी.के. सचदेवा
Sh. G.K. Sachdeva



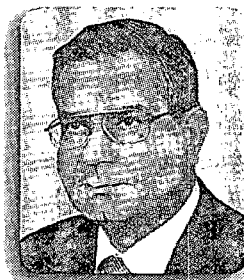
श्री एस.के. शर्मा
Sh. S.K. Sharma



श्री सी.एम. खुराना
Sh. C.M. Khurana



श्री विक्रम कोछड़
Sh. Vikram Kochhar



श्री एच.के. मदान
Sh. H.K. Madan



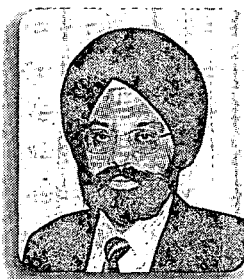
श्री अतुल गौतम
Sh. Atul Gautam



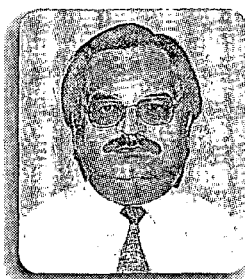
श्री के.के. सराफ
Sh. K.K. Saraf



श्री वी.के. कम्बोज
Sh. V.K. Kamboj



श्री जसबीर सिंह
Sh. Jasbir Singh



श्री आर.एम. शर्मा
Sh. R.M. Sharma



श्री एम.एस. शेटी
Sh. M.S. Shetty



श्री राजीव ऋषि
Sh. Rajiv Rishi



एक नजर कार्य निष्पादन पर

Performance at a glance

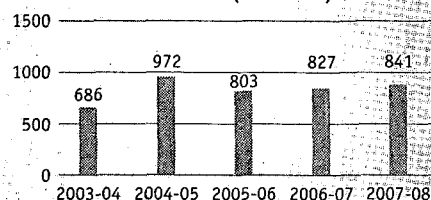
राशि (करोड़ रुपए में) Amount (Rs. in Crore)

वित्तीय वर्ष के अंत में For the Financial Year Ended	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
पूंजी एवं आरक्षित निधि/Capital and reserve	2676.80	3327.00	5170.78	5600.31	5775.90
कुल जमा राशियां/Total Deposits	35673.50	47850.33	50197.46	63995.97	77856.70
अग्रिम (निवल)/Advances (Net)	19680.76	25299.20	33577.24	44138.47	54565.83
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र/Priority Sector	8673.88	11177.24	13399.14	15955.20	18759.83
जिसमें से/of which:					
(i) कृषि/Agriculture	2544.95	3679.75	4480.00	5732.28	6930.05
(ii) लघु उद्योग/Small Scale Industries	1792.16	2349.51	2913.58	3364.09	5015.05
(iii) अन्य/Others	4336.77	5147.98	6005.56	6858.83	6814.73
कुल आस्तियां/देयताएं/Total Assets/Liabilities	41006.56	54069.45	58937.37	73936.27	90705.32
कुल आय/Total Income	4022.25	4077.10	4671.69	5768.16	7454.84
कुल व्यय/Total Expenditure	3336.18	3105.02	3868.52	4941.34	6613.90
बट्टे खाते डालने से पूर्व वर्ष का निवल लाभ Net profit for the year before write-off	686.07	972.07	803.16	826.81	840.94
बट्टे खाते डालने के पश्चात् वर्ष का निवल लाभ Net profit for the year after write-off*	686.07	726.07	557.16	580.81	353.22
शाखाओं की संख्या (वास्तविक)/No. of Branches (in actuals)	1013	1130	1148	1273	1323
कर्मचारियों की संख्या (वास्तविक)/No. of Employees (in actuals)	13602	14563	14962	14730	14804

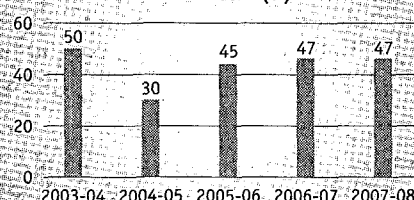
*पूर्ववर्ती ग्लोबल ट्रस्ट बैंक की हानि (वर्ष 2004-05 से 2006-07 तक हर वर्ष 246 करोड़ रु. और वर्ष 2007-08 में 487.72 करोड़ रु. बट्टे खाते में डाले गए)।

*Erstwhile Global Trust Bank's Losses (Rs. 246 crore being written-off every year from 2004-05 to 2006-07 and Rs. 487.72 crore in 2007-08).

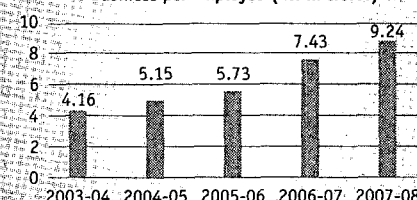
निवल लाभ (करोड़ रु. में)
Net Profit (Rs. in crore)



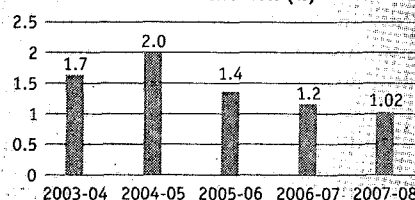
लाभांश (%)
Dividend (%)



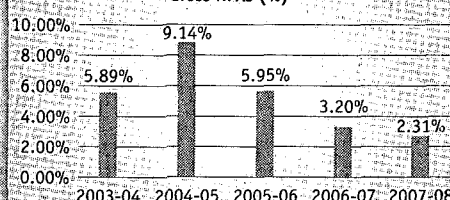
प्रति कर्मचारी कारोबार (करोड़ रु. में)
Business per Employee (Rs. in crores)



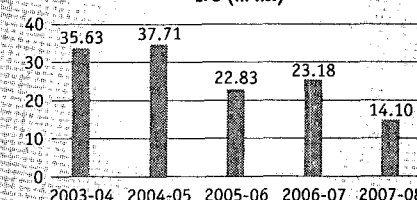
आस्तियों पर आय (%)
Return on Assets (%)



सकल एनपीए (%)
Gross NPAs (%)



प्रति शेयर अर्जन (रु. में)
EPS (in Rs.)





ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स

ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स

(भारत सरकार का उपक्रम)

प्रधान कार्यालय : हर्ष भवन, ई-ब्लॉक, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स के शेयरधारकों की 14वीं वार्षिक आम बैठक बुधवार, 18 जून, 2008 को प्रातः 11.00 बजे फिक्की ऑडिटोरियम, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली-110001 में आयोजित होगी, जिसमें निम्नलिखित कार्य किए जायेंगे:-

मद संख्या 1 : बैंक के 31 मार्च, 2008 के तुलनपत्र तथा 31 मार्च, 2008 को समाप्त वर्ष का लाभ-हानि लेखा, लेखों में ली गई अवधि हेतु बैंक के कार्यकलापों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट तथा तुलनपत्र एवं लेखों पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा, अनुमोदन तथा इन्हें अपनाना।

मद संख्या 2 : वित्त वर्ष 2007-08 हेतु इक्विटी शेयरों पर सुनिश्चित लाभांश घोषित करना

नई दिल्ली
23 अप्रैल, 2008

(आलोक के. मिश्रा)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Report Junction.com

ORIENTAL BANK OF COMMERCE

(A Govt. of India Undertaking)

Head Office: Harsha Bhawan, E-Block, Connaught Place, New Delhi-110001

NOTICE

Notice is hereby given that the 14th Annual General Meeting of the Shareholders of Oriental Bank of Commerce will be held at FICCI Auditorium, Tansen Marg, New Delhi -110 001 on Wednesday, 18th June, 2008 at 11.00 a.m. to transact the following business:

Item No.1: To discuss, approve and adopt the Balance Sheet of the Bank as at 31st March 2008, Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2008, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts.

Item No. 2: To declare final dividend on equity shares for the financial year 2007-2008.

New Delhi
23rd April 2008

(ALOK K. MISRA)
Chairman and Managing Director

